स्वतंत्रता का उद्घोष

एक साझा संसार

"एक साझा संसार" (OneShared.World) मानव जाति के बेहतर भविष्य और विश्व की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए विविध संस्कृतियों, समुदायों, जातियों, संगठनों, संस्थाओं, हितों, पीढ़ियों और राष्ट्रों में सहयोगी रूप से काम कर रहे हितधारकों का एक व्यापक और समावेशी आंदोलन है।

वैश्विक शक्ति संरचना के एक अनिवार्य स्तंभ के रूप में हम, हमारी साझी मानवता की लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने और हमारी सबसे महत्त्वपूर्ण सामूहिक आवश्यकताओं की पूर्ति की ओर ठोस प्रगति सुनिश्चित करने हेतु व्यवहार, प्रक्रिया, प्रणाली और परिणामों में वास्तविक और सार्थक परिवर्तन लाना चाहते हैं।

यह स्वीकार करते हुए कि COVID19 जैसी शक्तिशाली महामारी ने हमें स्मरण कराया है कि हम सब एक सामूहिक मानवता के अंग हैं जो अस्तित्व की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, हम:

- यह मानते हैं कि एक दूसरे, अन्य सभी प्रजातियों और हमारे ग्रह के साथ हमारी गहरी परस्पर निर्भरता ही हमारे स्वस्थ, सुरक्षित और स्थायी भविष्य के सफलता के मूल में है;
- हमारी साझी भलाई के लिए अपने परस्पर उत्तरदायित्व को प्रतिस्थापित करते हैं;

- यह मानते हैं कि मानवता के कल्याण की चिंता हम सबसे प्रारंभ होती है और हमारे लक्ष्यों, प्रक्रियाओं, और हमारे प्रयासों के वांछित परिणामों में तालमेल होना चाहिए; एवं
- यह मानते हैं कि आपत्ति के समय में भी खतरों की व्यापकता हमारे एक साथ आकर एक बेहतर, उज्जवल संसार के निर्माण की संभावना की तुलना नहीं कर सकती।

इसलिए, "एक साझा संसार" निम्नलिखित घोषणा करता है:

मानवता की साझी और आवश्यक आकांक्षाओं की सम्यक अभिव्यक्ति संयुक्त राष्ट्र चार्टर, मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा, और सतत विकास लक्ष्यों में हुई है, जिसका हम पूर्णतः समर्थन हैं।

यद्यपि हमारे वर्तमान राज्य और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता और खुशहाली में अत्यधिक योगदान दिया है, तथापि ये संस्थाएँ हमारी सबसे महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति में अपर्याप्त सिद्ध हुई हैं।

इनमें सम्मिलित हैं:

- एक ऐसे दूरगामी, निवारक और उत्तरदायी बुनियादी ढांचे का निर्माण करने में विफलता, जो COVID -19 जैसी वैश्विक महामारी से हमारी रक्षा कर सके;
- परमाणु, रासायनिक, साइबर और सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों के खतरनाक प्रसार को रोकने में विफलता;
- जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण क्षरण के रोकथाम और सभी प्रजातियों और हमारे ग्रह की स्थिरता की रक्षा करने में विफलता;
- भूख, कुपोषण, भेदभाव, बीमारी, और विकार से सबसे वंचित समाज की रक्षा में विफलता;

- हमारी वैश्विक संपदा और वित्तीय प्रणाली के सामूहिक प्रबंधन और शक्तिशाली प्रौद्योगिकियों के आवेदन में हमारे पुष्ट मूल्यों को स्थापित करने में विफलता।

इन आम चुनौतियों का सामना करने में हमारा असामर्थ्य हमारी राष्ट्रीय सरकारों और मनुष्यों के रूप में हमारी सामूहिक प्राथमिकताओं के बीच एक मौलिक बेमेल में निहित है।

यद्यपि हमारे वर्तमान राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संगठन आवश्यक हैं, तथापि हमें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने हेतु सामूहिक कार्रवाई के लिए हमारी अवधारणा और क्षमता का विस्तार करना होगा।

इस भावना के साथ, हम संप्रभु राष्ट्रों और आवश्यक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से परे वैश्विक शक्ति संरचना के एक तीसरे स्तंभ का निर्माण करना चाहते हैं।

यह तीसरा स्तंभ एक सम्पूर्णतया समावेशी वैश्विक सामाजिक आंदोलन और राजनैतिक शक्ति है जो हमारी सामूहिक मानवता की लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करेगा।

हम समझते हैं कि मनुष्यों के रूप में हमारी सामूहिक आकांक्षाओं की शक्ति कई सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को बढ़ावा देने और प्रेरित करने के लिए है, न कि उन्हें विस्थापित करने के लिए।

हम इन सभी संस्थाओं के नेतृत्व से अनुरोध करते हैं कि सभी स्तरों पर ऐसे विचारशील निर्णय लेने हेतु कटिबद्ध हों, जो राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ सार्वजनिक वैश्विक हितों को संतुलित कर सके।

हम मानते हैं कि हमारा आंदोलन व्यक्तियों, संगठनों और संस्थाओं, के धरती से जुड़े तंत्र पर खड़ा हो, जो स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तरों पर एक साथ काम करे।

हम जानते हैं कि यद्यपि हमें नवीन प्रौद्योगिकियों के फलस्वरूप सहयोग के ऐतिहासिक और अभूतपूर्व अवसर प्राप्त हुएँ हैं, तथापि वे लोग जो इस प्रक्रिया में भागीदार होने चाहिए अभी तक इस वैश्विक संचार तंत्र से जुड़े नहीं हैं।

हमारी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में विविधता को स्वीकार करते हुए, हम, व्यक्तियों, विभिन्न समुदायों, संगठनों और संस्थाओं के सदस्यों, और राष्ट्रों के नागरिकों के रूप में हमारे अन्योन्याश्रय और आपसी कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की घोषणा करते हैं।

हम स्वयं से प्रतिज्ञा करते हैं कि:

1. एक दूरगामी, निवारक और उत्तरदायी आधारभूत संरचना के निर्माण का समर्थन करें जो हमारे अस्तित्व के संकटों से हमारी रक्षा करेगी;
2. यह सुनिश्चित करें कि हमारे मध्य जो सबसे वंचित हैं, वे उन्हीं अधिकारों को प्राप्त करें जिसका लाभ शक्तिशाली और गणमान्य जन उठाते हैं; हमारी मानवीय समानता का हमारी अनिवार्य विविधता के सन्दर्भ में स्वागत हो; एवं हमारा जीवन समान गरिमा से युक्त हो;
3. हमारी साझी मानवता के संरक्षण हेतु हम अपने समुदायों, संस्थाओं और राष्ट्रों के माध्यम से सीधे कार्य करें।
4. हम सभी प्रजातियों और पारिस्थितिकी तंत्रों के लिए एक सुरक्षित और स्थायी वैश्विक वातावरण की स्थापना करें;
5. हम सभी बच्चों के और सभी लोगों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करें जिससे वे समान शिक्षा, स्वास्थ्य, और सुरक्षा के अधिकारी बनें;
6. हम समस्त संस्कृतियों में संपर्क, सम्मान, सार्थकता और संयोजन के संचार हेतु प्रत्येक स्वरुप में कलात्मक अभिव्यक्ति का समर्थन और प्रोत्साहन करें;

7. आपसी विचार, सम्मान, सहानुभूति और दया के माध्यम से मानवीय सहभागिता का संरक्षण और संवर्धन करें।

इस घोषणा के साथ अपने नामों को सम्बद्ध करने में, हम अपने-आप को अपने सामर्थ्यों की सीमा तक इन सिद्धांतों की सिद्धि हेतु समर्पित करते हैं एवं समस्त लोगों और सभी संगठनों, संस्थाओं, और देशों का सामूहिक रूप से इन अत्यावश्यक चुनौतियों का सामना करने के लिए आह्वान करते हैं।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, हम विभिन्न देशों और सम्पूर्ण मानव जाति के नागरिक, अपने जीवन की ऊर्जा, अपने भाग्य के अवसर, और अपने सम्मान की पारस्परिक प्रतिज्ञा करते हैं।